Maharashtra State Board Class 10 Hindi Chapter 10 बूढ़ी काकी

Hindi Lokbharti 10th Std Digest Chapter 10 बूढ़ी काकी Textbook Questions and Answers

कृति

(कृतिपत्रिका के प्रश्न 3 (अ) के लिए

* सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

प्रश्न 1.

स्वभाव के आधार पर पात्र का नाम		
१.	क्रोधी	....
२.	लालची	....
३.	शरारती	....
४.	स्नेहिल	....

उत्तर:

स्वभाव के आधार पर पात्र का नाम		
१.	क्रोधी	रूपा
२.	लालची	बुद्धिराम
३.	शरारती	दोनों लड़के
४.	स्नेहिल	लाड़ली

प्रश्न 2.
कृति पूर्ण कीजिए:

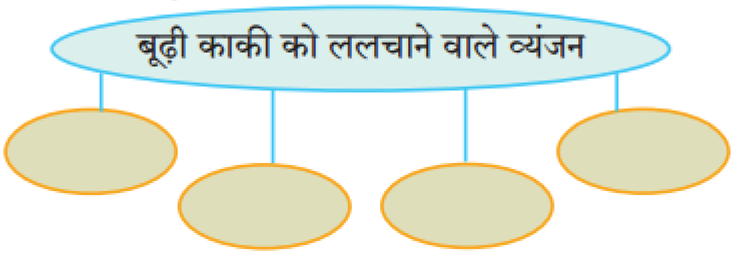

उत्तर:

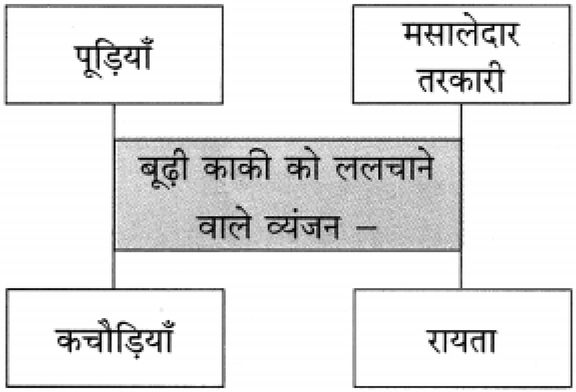

प्रश्न 3.
बुद्धिराम का काकी के प्रति दुर्व्यवहार दर्शाने वाली चार बातें :
१) ....
४) ....
२) ....
४) ....

उत्तर :
(i) बूढ़ी काकी की संपत्ति अपने नाम लिखाते समय किए गए लंबे-चौड़े वादों को बुद्धिराम द्वारा न निभाना।
(i) बूढ़ी काकी को भरपेट भोजन न देना।
(iii) भोजन कर रहे मेहमानों के बीच रेंगती हुई बूढ़ी काकी के पहुँच जाने पर बुद्धिराम द्वारा निर्दयतापूर्वक पकड़कर उनकी कोठरी में ले जाकर पटक देना।
(iv) बूढ़ी काकी के व्यवहार से रुष्ट होने के कारण तिलक उत्सव में सभी मेहमानों और घरवालों के भोजन कर लेने के बाद भी बुद्धिराम द्वारा उन्हें खाने के लिए न पूछना।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 4.
कारण लिखिए :
a. बूढ़ी काकी ने भतीजे के नाम सारी संपत्ति लिख दी ___________________
b. लाड़ली ने पूड़ियाँ छिपाकर रखीं ___________________
c. बुद्धिराम ने काकी को अँधेरी कोठरी में धम से पटक दिया ___________________
d. अंग्रेजी पढ़े नवयुवक उदासीन थे ___________________
उत्तर:
a. बूढ़ी काकी के परिवार में अब एक भतीजे के सिवाय और कोई नहीं था, इसलिए उन्होंने भतीजे के नाम सारी संपत्ति लिख दी।
b. बुद्धिराम और रूपा दोनों ने ही बूढ़ी काकी को उनकी निर्लज्जता के लिए दंड देने का निश्चय कर लिया था। इसलिए बूढ़ी काकी को किसी ने नहीं पूछा।
c. बूढ़ी काकी रेंगती हुई भोजन कर रहे मेहमान मंडली के बीच पहुँच गई थी। इससे कई लोग चौंककर उठ खड़े हुए थे। बुद्धिराम को इससे गुस्सा आया और उसने काकी को वहाँ से उठाकर कोठरी में ले जाकर धम से पटक दिया।
d. अंग्रेजी पढ़े नवयुवक उदासीन थे, क्योंकि वे गँवार मंडली में बोलना अथवा सम्मिलित होना अपनी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल समझते थे।

प्रश्न 5.
सूचना के अनुसार शब्द में परिवर्तन कीजिए :

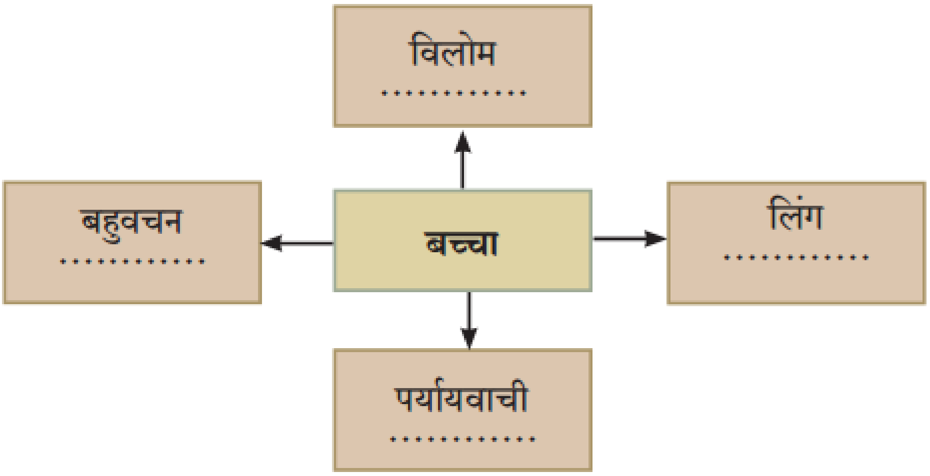

उत्तर :

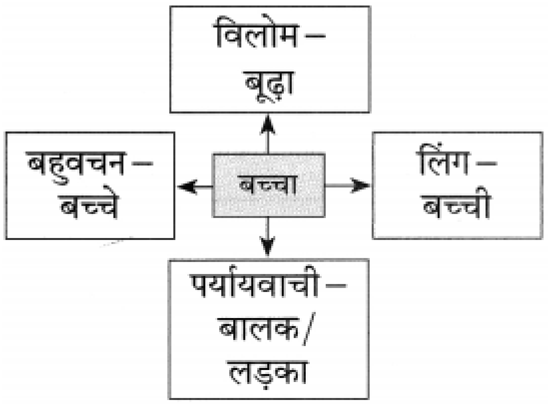

अभिव्यक्ति

'बुजुर्ग आदर-सम्मान के पात्र होते हैं, दया के नहीं इस सुवचन पर अपने विचार लिखिए।
उत्तर :
हमें यह बात याद रखनी चाहिए कि आज जो व्यक्ति बुजुर्ग है वह हमेशा बूढ़ा और असहाय नहीं था। वह भी पहले युवा था। उसने अपने परिवार का पालन-पोषण और उसकी देखरेख की थी। उसने तरह-तरह की समस्याओं का सामना किया था और उन्हें अपने तरीके से हल किया था। उसे जीवन जीने का अनुभव है। लेकिन वृद्ध हो जाने पर किसी-किसी परिवार में बुजुर्गों को किनारे कर दिया जाता है। उनकी सलाह या सुझाव को कोई महत्त्व नहीं दिया जाता। इस तरह के व्यवहार से बुजुर्गों को अपने सम्मान पर ठेस लगती महसूस होती है।

किसी-किसी परिवार में तो बुजुर्गों के खाने-पीने की भी किसी को चिंता नहीं रहती। घर के लोग अपने में मगन रहते हैं और बुजुर्गों का कोई ख्याल नहीं रखता। बुजुर्गों को खाने-पीने के लिए उनका मुँह ताकना पड़ता है। हमें यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि हम इन बुजुर्गों की संतान हैं। उनको पर्याप्त सम्मान देना और उनकी हर प्रकार से देखरेख करना हमारा फर्ज है। बुजुर्गों की प्रसन्नता और उनके आशीर्वाद से ही परिवार फूलता-फलता और खुशहाल रहता है। इसलिए बुजुर्गों को हमें सदा आदर-सम्मान देना चाहिए और उनकी देखरेख करनी चाहिए।

भाषा बिंदु

प्रश्न 1.
निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए :

https://www.evidyarthi.in/

मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
भूलना	....	....
पीसना	....	....
माँगना	....	....
तोड़ना	....	....
बेचना	....	....
कहना	....	....
नहाना	....	....
खेलना	....	....
खाना	....	....
फैलना	....	....
बैठना	....	....
लिखना	....	....
जुटना	....	....
दौड़ना	....	....
देखना	....	....
जीना	....	....

उत्तर :

क्र.	मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्विवितीय प्रेरणार्थक रूप
1.	भूलना	भुलाना	भुलवाना
2.	पीसना	पिसाना	पिसवाना
3.	माँगना	मँगाना	मँगवाना
4.	तोड़ना	तुड़ाना	तुड़वाना
5.	बेचना	बेचाना	बेचवाना
6.	कहना	कहाना/कहलाना	कहवाना/कहलवाना
7.	नहाना	नहलाना	नहवाना/नहलवाना
8.	खेलना	खिलाना	खिलवाना
9.	खाना	खिलाना	खिलवाना
10.	फैलना	फैलाना	फैलवाना
11.	बैठना	बैठाना	बैठवाना
12.	लिखना	लिखाना	लिखवाना
13.	जुटना	जुटाना	जुटवाना
14.	दौड़ना	दौड़ाना	दौड़वाना
15.	देखना	दिखाना	दिखवाना
16.	जीना	जिलाना	जिलवाना

प्रश्न 2.
पठित पाठों से किन्हीं दस मूल क्रियाओं का चयन करके उनके प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप निम्न तालिका में लिखिए :

मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

उत्तर :

क्र.	मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
1.	चलना	चलाना	चलवाना
2.	देना	दिलाना	दिलवाना
3.	मिलना	मिलाना	मिलवाना
4.	पीना	पिलाना	पिलवाना
5.	घुसना	घुसाना	घुसवाना
6.	बोलना	बुलाना	बुलवाना
7.	ढूँढ़ना	ढुँढ़ाना	ढुँढ़वाना
8.	रखना	रखाना	रखवाना
9.	लगना	लगाना	लगवाना
10.	करना	कराना	करवाना

उपयोजित लेखन

मेरा प्रिय वैज्ञानिक' विषय पर निबंध लेखन कीजिए।
उत्तर :
यों तो दुनिया में एक-से-एक बड़े वैज्ञानिक हैं, पर मेरे प्रिय वैज्ञानिक तो सर जगदीशचंद्र बोस ही हैं। सर जगदीशचंद्र बोस की बात ही निराली है। उन्होंने यह सिद्ध करके बता दिया कि पेड़-पौधे भी हमारी तरह साँस लेते हैं और उन्हें पानी और भोजन की आवश्यकता होती है। उनमें भी जान होती है। यदि पेड़-पौधों को सताया या कष्ट दिया जाए, तो वे बीमार हो जाते हैं और उनकी प्रकृति के विरुद्ध उन्हें भोजन दिया जाए अथवा जहरीला रसायन दिया जाए, तो वे मर जाते हैं। वैसे पेड़-पौधों के संपर्क में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को मालूम होता है कि पेड़-पौधों को नुकसान पहुँचाने या विषैले पदार्थों के संपर्क में आने से वे क्षतिग्रस्त या मृत हो सकते हैं, पर इस बात को सिद्ध किया था सर जगदीशचंद्र बोस ने।

अपने शोध को सिद्ध करने के लिए उन्होंने खुद चुंबकीय क्रेश्कोग्राफ नामक यंत्र तैयार किया। उन्होंने इस यंत्र की सहायता से सब के सामने अपने प्रयोग से यह सिद्ध कर दिया कि पेड़-पौधों में जीवन होता है और प्राणियों की तरह उनमें भी विभिन्न क्रियाएँ होती हैं। इस प्रकार के सूक्ष्म रहस्य

https://www.evidyarthi.in/

का उद्‌घाटन करने वाले वे पहले वैज्ञानिक थे। वे सच्चे अर्थों में एक महान वैज्ञानिक थे। ऐसे महान वैज्ञानिक पर हमें गर्व है